

ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

8-12-2024

ब्राह्मण अर्थात् समझदार, वे सदा स्वयं भी सन्तुष्ट रहेंगे और दूसरों को भी रखेंगे। अगर दूसरे के असन्तुष्ट करने से असन्तुष्ट होते तो संगमयुगी ब्राह्मण जीवन का सुख नहीं ले सकते। शक्ति स्वरूप बन दूसरों के वायुमण्डल से स्वयं को किनारे कर लेना अर्थात् अपने को सेफ कर लेना, यही साधन है इस लक्ष्य को प्राप्त करने का।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

Brahmins means those who are sensible. They always remain content with themselves and also keep others happy. If you become discontent because others make you that, then you cannot experience the happiness of the confluence-aged Brahmin life. To become the form of a Shakti and take yourself away from the atmosphere of others means to keep yourself safe. This is the method to attain this aim.